ग्लेशियर पर अतिक्रमण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **स्वयंभू बाबा योगी चैतन्य आकाश** ने **उत्तराखंड के सुंदरढूंगा ग्लेशियर** पर 5,000 मीटर की ऊँचाई पर एक **अनधिकृत मंदिर** का निर्माण किया।

- **स्थानीय ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमण पर रोष व्यक्त** किये जाने के बाद राजस्व, वन और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम जाँच करेगी।

मुख्य बिंदु

- स्वयंभू धर्मगुरु ने दावा किया कि उसे एक दैवीय शक्ति द्वारा पहाड़ पर मंदिर बनाने का निर्देश दिया गया था।
- यह स्थान **पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील** है, जहाँ तीर्थयात्रियों और **स्थानीय लोगों के लिये एक पवित्र कुंड है।**
- हर बारह वर्षों में **नंदा राज यात्रा** के दौरान लोग कुंड देखने आते हैं।
- यह **उत्तराखंड का एक प्रसिद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन है,** जो तीर्थयात्रियों द्वारा पैदल ही बहुत लंबी दूरी तय करने के लिये प्रसिद्ध है। सबसे हालिया **नंदा राज यात्रा वर्ष 2014 में हुई थी।**
- पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील और **धार्मिक रूप से महत्त्वपूर्ण क्षेत्र** में निर्मित एक अनधिकृत मंदिर ने स्थानीय प्राधिकारियों तथा उत्तराखंड सरकार के संवेदनशील क्षेत्रों में **अतिक्रमण विरोधी प्रयासों** के बारे में चिंताएँ उत्पन्न कर दी हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/encroachment-on-glacier